राज
कामिक्स
विशेषांक
संख्या 49
नागराज का अंत
amaan.cooldude18
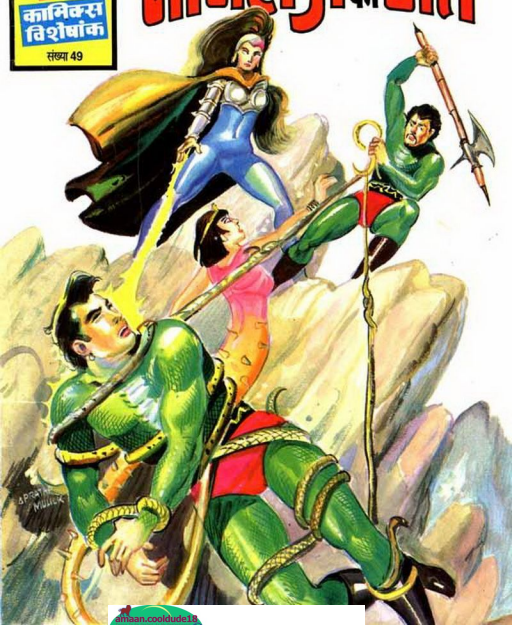
देखने वाले थाम लें, अपने-अपने धड़कते दिल-
और जो नहीं देख सकते, वे बंद कर लें अपनी-अपनी भयभीत आंखें- क्योंकि अब होने वाला है...
नागराज का अंत
लेखक: अनुपम सिन्हा, हनीफ अजहर • चित्र: अनुपम सिन्हा • इंकिंग: विनोद कुमार • सुलेख स्वं रंग: सुनील पाण्डेय • संपादक: मनीष गुप्ता
हा हा हा... अब तुम्हारा मौत से बचना असंभव है नागराज, क्योंकि जिस गोंद से तुम जाले के साथ चिपके हुए हो, उससे तुम तभी छूट सकते हो जब तुम्हारे शरीर से तुम्हारी सारी खाल उतार दी जाए। हा हा हा।
ओह!. तो मिस किलर के कहने पर मानवी ने मुझे यहां ला फंसाया है। लेकिन उसने ऐसा क्यों किया, यह मैं उससे जरूर पूछूंगा तब, जब मैं यहां से बचकर निकल जाऊंगा।
लेकिन ऐसा होगा कैसे? क्योंकि कुछ पलों बाद ही दो मिनट पूरे हो जाएंगे...
...और ऐसा होते ही मेरा निशाना लेकर सेट की गई लेजर गनें चलेंगी, और मुझे राख में बदल डालेंगी।

अचानक - बिजली सी कौंध गई नागराज के मस्तिष्क में-
ख्याल! मिस किलर के शब्दों में मेरे बचाव का तरीका छुपा हुआ है, मैं बच सकता हूं अगर मैं गोंद से चिपकी अपनी खाल उतारने में सफल हो जाऊं तो...
... और ऐसा कर लेना मेरे लिए मुश्किल नहीं है...
... क्योंकि मैं सर्पों की विशेषताओं वाला मानव हूं। सर्पों के सभी गुणों के साथ-साथ मुझमें यह भी गुण है...
...कि मैं अपनी केंचुली बदल सकता हूं। अब सिर्फ इतना ही समय है...
...कि मैं अपनी बेल्ट के अंदर सूक्ष्म रूप में रखा ओवरकोट, जूते, बेल्ट आदि निकालकर पोशाक बदल लूं।
और फिर उछलकर, जाले से बिना छुए, दीवार पर चिपक जाऊं।
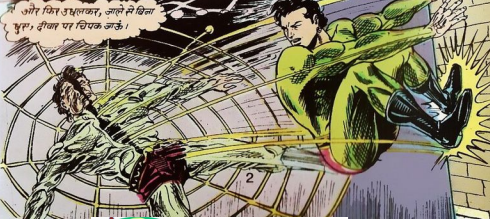
अभी एक पल भी नहीं गुजरा था कि—

उफ! उफ! केंचुली बदलने का उपाय अगर एक पल बाद सूझता तो मैं राख के एक ढेर के रूप में पड़ा होता।

फिर नागराज दीवार पर रेंगता हुआ उस मौत के मुंह से बाहर निकला—

तभी—

बहुत खूब नागराज, तुम्हारी अनोखी खूबी ने तुम्हें एक निश्चित मौत से बचा लिया। लेकिन ये मत समझना कि अब काल का साया तुम्हारे ऊपर से हट गया, तुम इस मंदिर से जिंदा बचकर नहीं निकल सकते, तुम्हें मरना होगा...

... हर हाल में मरना होगा नागराज! हा हा हा।

... लेकिन मौत के डर से मुझे यहीं हारकर नहीं बैठ जाना। अंजाम चाहे जो भी हो मुझे यहां से बाहर निकलने का प्रयास तो करना ही होगा।

मिस किलर अपने हैडक्वार्टर में बैठी ना केवल मेरी गतिविधियों पर नजर रखे हुए है बल्कि साथ ही हाथ के हाथ ये इंतजाम भी करती जा रही है कि मैं यहां से जिंदा बाहर ना निकल सकूं ...

एक तरफ बढ़ चला नागराज—

कुछ ही कदम आगे बढ़ने के बाद बुरी तरह चौंका—
ओह! सामने से रास्ता स्टील की मोटी चादर से बंद हो गया...
सर्र र्र र्र
... पीछे वाला भी!
खट्
मैं बक्से नुमा कमरे में बंद हो चुका हूं। लेकिन मुझे यहां बंद क्यों किया गया है?
नागराज को जब अपने सवालों का जवाब मिला तो उसके सारे जिस्म में एक सर्द सिहरन दौड़ गई—
ओह! दोनों तरफ की दीवारों से नश्तर निकल रहे हैं, जो कुछ ही पलों में आपस में मिल जाएंगे...
... और अगर मैं यहां खड़ा रहा तो ये नश्तर मेरा कीमा बनाकर रख देंगे।
लेकिन मैं इनसे बचूं कैसे? यहां ना तो कोई दरवाजा है ना खिड़की।
अब तो मुझे अपने को बचाने के लिए ऊपर की तरफ बढ़ना होगा।
और ऐसा मैं करूंगा इस लोहे की दीवार पर सर्प की भांति ऊपर की तरफ रेंगकर। आऽऽह!
ओफ्फ! इस लोहे की दीवार में करंट प्रवाहित करके मिस किलर ने इस बात का पुख्ता इंतजाम कर रखा है कि मैं दीवार पर रेंगकर ऊपर की तरफ ना बढ़ सकूं।
ऊपर कोई ऐसी जगह भी नहीं है जहां मैं नागरस्सी का फंदा अटकाकर ऊपर की तरफ झूल जाऊं।

लेकिन ऊपर की तरफ बढ़ना तो होगा ही, और ये काम फिलहाल सिर्फ नेजों पर चढ़कर ही हो सकता है...
...और नेजों पर चढ़ने से मेरे हाथों को कोई नुकसान ना पहुंचे इसके लिए मुझे अपनी बेल्ट की मदद लेनी होगी।
नागराज ने तुरन्त ही अपनी कमर से बेल्ट अलग की...
...और उसे दो टुकड़ों में बांटकर उन्हें अपने हाथों में लपेटा—
और फिर—
तेजी से एक-दूसरे की तरफ बढ़ते नेजे आपस में मिलें, मुझे उससे पहले ही ऊपर पहुंचना है।
मौत को मात देने के लिए तेजी से ऊपर की तरफ बढ़ रहा था नागराज—
और उससे कहीं ज्यादा तेजी से एक व दूसरे की तरफ बढ़ रहे थे नेजे—
लेकिन फिर भी नागराज मौत के हाथों से जिन्दगी छीन लेने के लिए जी जान से जुटा हुआ था—
amaan.cooldude18

नागराज के प्रयास को देखती मिस किलर ने एक जोरदार ठहाका लगाया—
हा हा हा। और तेज और तेज नागराज...
सचमुच—
शुक्र है मैं इन नेजों रूपी मौत को मात देकर यहां पहुंचने में सफल हो गया, और शुक्र है इस बात का भी, यहां छत की दीवार पर करंट नहीं दौड़ रहा और ऐसा इसलिए हुआ कि मिस किलर को नेजों से बचकर मेरे यहां पहुंचने की कतई उम्मीद ना थी।
अब इस रोशनदान से बाहर निकलकर मुझे उसकी हर उम्मीदों पर पानी फेरना है। उंह!
...देखें, जिन्दगी और मौत के इस खेल में तू जीतता है या मौत! हा हा हा।
रोशनदान उखाड़कर...
कड़ंक
कुछ पलों बाद ही मिस किलर के हलक से उबलते ठहाकों पर मानो 'ब्रेक' लग गए—
...नागराज मंदिर से बाहर निकला—
आखिर मैं सफल हुआ! अरे... ये पीछे से आवाजें कैसी?
ये क्या? नागराज बच निकला!
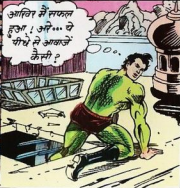
फुर्ती से उछला नागराज और बचा ली उसने अपनी जान –
उफ़!
घातक लेजर किरणें...
... जल्द ही खतरे से बहुत दूर निकल आया –
मौत से यह रोमांचक लड़ाई मुझे हमेशा याद रहेगी!
नागरस्सी की सहायता से किसी कुशल नट की भांति स्वयं को लेजर किरणों से बचाता नागराज...

तभी–
बड़ाााााामम
मंदिर में हुआ यह धमाका यह साबित करता है कि अपनी असफलताओं को देखकर मिसकिलर पागल सी हो गई है।
बात ठीक वही थी–
बच निकला मेरे मौत के जाल से। बच निकला नागराज, लेकिन वह बचकर कहां जाएगा, मैं उसे छोड़ूंगी नहीं।
अब नागराज को खत्म करने के लिए मैं अपनी नई शक्ति का प्रयोग करूंगी...
धाड़
...लेकिन उसके लिए नागराज को वहां पहुंचाना जरूरी है जहां मैं अपनी नई शक्ति का हाहाकारी ढंग से प्रयोग कर सकूं।
क्या थी मिसकिलर की नई शक्ति?
नागराज–
यहां से सीधा मानवी के घर पहुंचकर उससे मिलकर ये पता करना होगा कि आखिर वह मुझे मिसकिलर के जाल में फंसाने के लिए क्यों लेगई? क्या मजबूरी थी उसकी?
मानवी के घर पहुंचा नागराज–
सारा घर खाली है, ना तो मानवी नजर आ रही है और ना ही उसके परिवार का कोई सदस्य। कहां हैं सब?
मेरे पास!

... मैंने उन सबको कैद कर रखा है।
बिल्कुल ठीक कहा तुमने नागराज, जब मैं तुम्हें खत्म करने के लिए पागलों की भांति सारे बंबई में ढूंढ रही थी तो तुम मुझे मानवी के घर में नजर आए थे।
मिस किलर! ओह, समझा! चूंकि तुमने मानवी के परिवार को अपने पास कैद कर रखा है, इसलिए वह तुम्हारा साथ देने को तैयार हुई।
ठीक है मानवी, मैं कल एक बार फिर तुमसे मिलूंगा।
नागराज किस फिराक में है!
अपने सवालों का जवाब पाने के लिए मैंने तुरंत ही मानवी और उसके परिवार वालों को धर दबोचा—
नागराज तुम्हारे पास क्यों आया था और वह तुमसे क्या चाहता है? मुझे सब बता छोकरी, वरना इनके शरीर चिथड़ों में बंटे नजर आएंगे।
अपने परिवार के सदस्यों की सलामती की खातिर...
... मानवी ने मुझे सब बताया—
ओह! तो नागराज किसी खास मन्दिर की खोज में है... गुड, समझ लो नागराज की खोज पूरी हो गई।
मतलब!
मतलब यह कि नागराज जिस मंदिर को ढूंढता फिर रहा है वह खण्डाला की पहाड़ियों में स्थित है। तुम कल उसे वहां लेकर पहुंचोगी।
लेकिन मेरी जानकारी में तो खण्डाला के पहाड़ी क्षेत्र में कोई मंदिर...
... नहीं है लेकिन बना दिया जाएगा।
कुछ ना समझी। वह बेचारी—

००० और समझती भी कैसे उसे ये कहां मालूम था कि मिस किलर को असंभव काम को संभव करने में कितना मजा आता है—
हजारों मजदूर और अपने अनोखे आधुनिक साधनों की मदद से एक दिन में खण्डाला की पहाड़ियों में तुम्हारे सपनों का मंदिर खड़ा हो गया—
जिसमें मैंने तुम्हें मौत देने के हर साधन को स्वयं अपनी देख रेख में फिट कराया। लेकिन तुम्हारी किस्मत अच्छी थी कि तुम बच निकले।
मेरी किस्मत को दाद देने के साथ-साथ तू अपनी किस्मत को कोस मिस किलर०००
००० क्योंकि मैं तुझे अपने सर्प सैनिकों से कैद करने जा रहा हूं।
नागराज के हाथ से सैकड़ों सर्प निकलकर मिस किलर की तरफ लहराए—
लेकिन—
हा हा हा... नागराज जिसे तू कैद करने की कोशिश कर रहा है वह मैं नहीं, मेरा थ्री-डाइ मेनशन अक्स है०००
०००अगर अपने अरमान पूरे करना और मानवी व उसके परिवार वालों को बचाना चाहता है तो०००
पट
सट
००० मड आइलैंड पहुंच हा हा हा!

मड आइलैंड! मैं जानता हूं वहां मिस किलर ने मेरे लिए मौत का एक नया जाल बिछा रखा होगा। लेकिन मेरा वहां पहुंचना बहुत जरूरी है, क्योंकि मानवी और उसके परिवार वालों की जान खतरे में पड़ गई है। अगर उन्हें कुछ हो गया तो मैं अपने आपको कभी माफ नहीं कर पाऊंगा।
नागराज तुरन्त ही मड आइलैंड की तरफ रवाना हुआ—
उन दो घूरती आंखों से बेखबर जो आश्चर्य लिए उसे ही देख रही थीं—
मड आइलैंड—
कौन था यह?
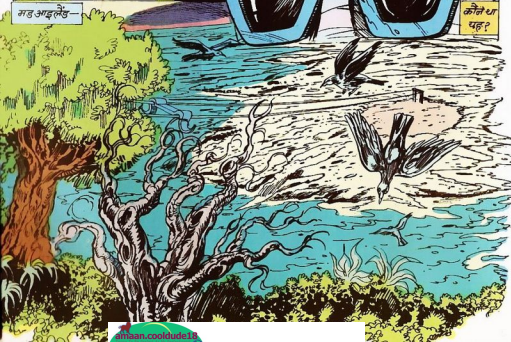
नागराज आ पहुंचा था वहां—
चारों तरफ दलदल से घिरा वह छोटा सा टापू ही मड आइलैंड कहलाता है, जहां उस रोपवे हैंगर से ही पहुंचा जा सकता है।
आ जा नागराज, आ जा। तेरी मौत तुझे यहां खींच ला रही है।
लोमड़ी की भांति मुस्कराती मिस किलर की अंगुलियां सामने स्थित डैश बोर्ड पर नृत्य कर उठीं—
इधर मड आइलैंड की जमीन पर पड़े नागराज के पांव—
यहां मुझे ना सिर्फ मानवी को ढूंढना है बल्कि मिस किलर को भी देखना है और प्रयत्न करना है कि किसी तरह उसे सलाखों के पीछे पहुंचाने में सफल हो सकूं।
धप

ये पीछे क्या है?
अपने पीछे आवाज सुनकर पलटा नागराज –
आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं उसकी सामने के उस दृश्य को देखकर जो आठवें अजूबे से भी बड़ा अजूबा था –
तड़तड़ाट
ओह! दलदल के नीचे से निकले ये भयानक जानवर। जिनके शरीरों से घातक आधुनिक गनें बंधी हुई हैं।
टयांऊं

च्यूंम
स्सर्र्रोट
...जिन से निकली किरणों का निशाना हूं मैं।
उफ! इस बार मिस किलर ने मुझे जहन्नुम रसीद करने का काफी भयानक तरीका अपनाया है, लेकिन ऐसे प्राणी मिस किलर के पास आए कहां से? इन्हें तो लुप्त हुए लाखों वर्ष बीत गए हैं।
कड़ंम
इनसे मुकाबला किए बगैर अब मेरा गुजारा नहीं, लेकिन खाली हाथ इनसे कैसे मुकाबला होगा इसके लिए मुझे कोई हथियार तो चाहिए ही, और इन प्राणियों के शरीर से बंधे हथियारों से अच्छा हथियार कौन सा हो सकता है।
लेकिन उसे हथियाने के लिए मुझे अपनी जान पर खेलना होगा।
नागरस्सी की सहायता से उछलकर एक प्राणी के पंजों से लिपट गया नागराज...
...और कुछ पलों बाद ही उसकी पीठ पर जा पहुंचा—

अब—
गन, हाथ में आते ही नागराज ने उसका इस्तेमाल करने में एक पल भी नहीं गंवाया—
दूसरा पल नागराज के लिए बेहद आश्चर्य जनक था—
नागराज की सोचों को उस तेज प्रहार ने भंग किया—
आह!
तड़ाक
धड़ाम से सिर के बल नीचे आ गिरा नागराज—
ओह! वह प्राणी तो तेजी से कीचड़ में बदलता जा रहा है, इसका मतलब मैं जिन्हें लाखों वर्ष के जीवित प्राणी समझ रहा हूं वह कीचड़ के बने हुए हैं, लेकिन मिस किलर ने इनका निर्माण कैसे किया होगा?
अभी संभल भी नहीं पाया था कि उस पर एक और मुसीबत आ टूटी—
दलदल से निकले उस विचित्र से प्राणी की भुजाएं नागराज के शरीर से आ लिपटीं—
इन भुजाओं का मेरे शरीर पर कसाव धीरे-धीरे बढ़ रहा है। मुझे इनसे स्वयं को तुरंत आजाद करना होगा।

* अदृश्य मानव के बारे में जानने के लिए पढ़िए 'अदृश्य हत्यारा'

अच्छे चाल चलन की वजह से मुझे जल्द ही रिहा कर दिया गया। जेल से बाहर आते ही मुझे पता चला कि तुम इस समय बंबई में ही हो, बस मैं तुमसे मिलने निकल पड़ा। लेकिन जिस समय मैंने तुम्हें देखा, उस समय तुम बहुत जल्दी में थे, मैं समझ गया कोई गड़बड़ है, इसलिए तुम्हारे पीछे-पीछे यहां तक चला आया।
और साथ ही ले आया तुम्हारे दुश्मनों को सबक सिखाने के लिए अपनी यह विशेष गन!
लेकिन ये सब माजरा क्या है?
सब बताऊंगा दोस्त, लेकिन पहले इन्हें पूरी तरह खत्म तो कर लें।
नागराज भी पीछे ना रहा—
अब कुछ देर उड़ना छोड़कर...
भड़ाक
...अपने साथी से आकर गले मिल!

नागराज और अदृश्य मानव का प्रयास तेजी से रंग ला रहा था–
शाबाश! ऐसे ही लगे रहो दोस्त, इनकी संख्या तेजी से घटती जा रही है।
ऐसा नहीं होगा, क्योंकि मैं इस घटती संख्या को जितनी तेजी से चाहूं बढ़ा सकती हूं...
... और इसके लिए मुझे सिर्फ अपनी उंगलियों को थोड़ीसी तकलीफ देने की जरूरत है।
उधर कई स्विच दबे...
खट
...और इधर–
ओह! ये क्या? दलदल से तो और बहुत से भयंकर प्राणी निकल कर बाहर आ रहे हैं।
ओह!
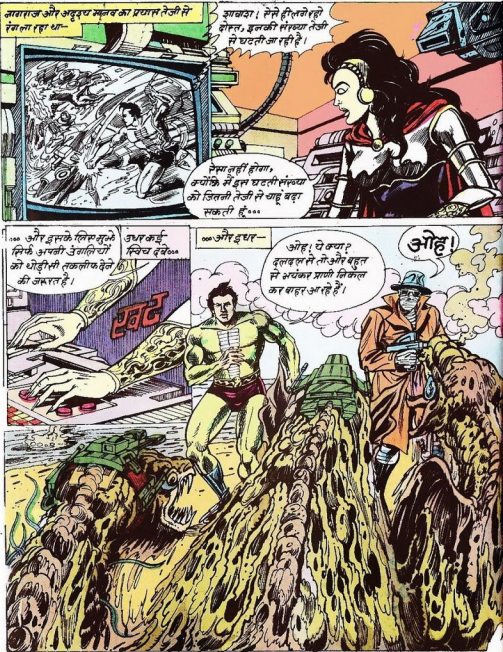
अगर ये इसी तरह निकलते रहे तो इन्हें खत्म करने की जगह हम खुद ही खत्म हो जाएंगे।
हां, ऐसा ही होगा, लेकिन अगर हम इनके निकलने के स्त्रोत को ढूंढकर उसे खत्म कर दें तो...
तुम्हारा सोचना एकदम ठीक है नागराज, मैं इन प्राणियों के निकलने के स्त्रोत को दलदल में ढूंढने का प्रयास करता हूं...
... तुम मेरी गन की सहायता से इन्हें समाप्त करना जारी रखो।
गन की सहायता से नागराज उन प्राणियों को खत्म करने में जुट गया—
और अदृश्य मानव उर्फ प्रोफेसर श्रीकान्त वर्मा—
दलदल का वह स्थान उन भयंकर प्राणियों के निकलने का स्त्रोत है। लेकिन उसमें क्या रहस्य छिपा है यह जानने के लिए मुझे अपनी जान पर खेलना होगा!

अपने कपड़े मुझे उतारने होंगे! वर्ना ये मेरे हाथ-पैर चलाने में बाधक हो सकते हैं।
प्रोफेसर श्रीकान्त वर्मा ने अपने कपड़े उतारे —
दूसरे ही क्षण —
एक लंबी सांस लेकर कूदा प्रोफेसर श्रीकान्त वर्मा —
छपाक!...
दलदल में गहरे तक धंसता चला गया —
ओफ़! दलदल के अंदर तो कुछ नजर नहीं आ रहा है। सिर्फ छूकर ही महसूस किया जा सकता... अरे... मेरे हाथों से कुछ टकरा रहा है...
... मोटा पाइप लगता है! कम से कम पांच फुट चौड़ा।
और... और... अरे! इसमें तो एक ढक्कन लगा हुआ है। पर क्यों? मुझे इसको पूरी ताकत लगाकर खोलना होगा।
ढक्कन खोलकर पाइप के अंदर प्रवेश कर गया अदृश्य मानव और फिर दरवाजा अपने आप बंद हो गया —
वाह! दलदल के अंदर मोटा पाइप! और उसके अंदर सांस लेने योग्य हवा। यह जरूर किसी जीनियस वैज्ञानिक का काम है।
और वह जीनियस वैज्ञानिक ही नागराज का दुश्मन है।

लिम किलर बुरी तरह चौंकी—
ओह! नागराज का वह मददगार पाइप के रास्ते हैडक्वार्टर में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा है। उसके स्वागत की तैयारी करनी होगी वह बचकर नहीं जाना चाहिए।
प्रोफेसर श्रीकान्त एक अलग ही दुनिया में जा पहुंचा था—
दलदल के नीचे बनी यह जगह भी साबित करती है कि इसे जिसने भी बनाया है, वह उत्कृष्ट वैज्ञानिक दिमाग का स्वामी होगा लेकिन वह है कौन?
यह जानने का तुम्हें मौका नहीं मिलेगा...
...क्योंकि उससे पहले ...म लाश बनकर जमीन पर पड़े होगे।
ओह! गनमैन... यानी इन्हें मेरे आगमन की खबर हो गई है। अब इनसे बचने के लिए मुझे...
अदृश्य होना पड़ेगा।
तेजी से अपने शरीर से पट्टियां उतारता चला गया प्रोफेसर श्रीकान्त—
और हो गया—
अदृश्य!
अभी-अभी हमारे सामने खड़ा आदमी देखते ही देखते अदृश्य हो गया।
ए... यह जादू है या कुछ और?

ये समझने के लिए तुम्हें अपने दिमागों को कष्ट देने की जरूरत नहीं है।
धाड़
बौखला गए गनमैन—
वह उधर है भून डालो उसे!
तड़ तड़ तड़ तड़
...लेकिन वह अदृश्य मानव वहां कहां था—
वह तो यहां था—
धाड़
उस दिशा में गोलियों की बरसात सी कर दी गनमैनों ने...
तड़ाक
गन सिर्फ सीधी तरफ से ही नही उल्टी तरफ से भी घातक सिद्ध होती है।
भाड़
तड़ाक
इयाह

मिस किलर आंखें फाड़े भौचक्की अपने साथियों की होती दुर्गति को देख रही थी—

हैडक्वार्टर में घुसा शख्स बड़े ही रहस्यमयी तरीके से अदृश्य होकर मेरे साथियों पर टूट पड़ा। ऐसी अनोखी शक्ति वाले को तो मिस किलर का गुलाम होना चाहिए।

...ने जो एक नजर सामने वाली स्क्रीन पर डाली तो उसके अधरों पर मुस्कान खेल गई—

जी जान से जुटा हुआ है नागराज! लेकिन मुझे उम्मीद नहीं कि वह अपने प्रयास में सफल हो जाएगा क्योंकि उसकी जरा सी चूक उसकी बरबादी का कारण बन जाएगी।

एक झटके से अपनी चेयर से उठ खड़ी हुई मिसकिलर...

लेकिन फिलहाल मेरे लिए समस्या नागराज नहीं वह अदृश्य मानव है जिसे मुझे अपने वश में करना है।

तुरंत ही मिसकिलर पहुंची उस बड़े हॉल में—

अपने आपको मेरे हवाले कर दो मिस्टर इनविज़िबल। जुर्म की महारानी मिस किलर के गुलाम बन कर तुम बहुत सुखी रहोगे।

मिस किलर, तुझ जैसी अपराधी का गुलाम बनने से अच्छा है मर जाना।

अदृश्य मानव का बोलना मानो गजब ढा गया—

क्योंकि—

अरे! ये मुझसे टेप सी कैसी आ चिपकी?

कुछ समझ पाने से पहले ही चिपचिपी रस्सी उसके सारे शरीर से लिपट गई—

उफ़!

मिस किलर ने एक भयानक अट्टहास लगाया–
हा हा हा! आखिर तू मेरे शब्द जाल में फंस गया। मैं पहले से ही यह प्लान बनाकर आई थी कि जैसे ही तू बोलेगा, मेरा गोंदोट आवाज की दिशा में अत्यधिक चिपचिपी टेप रस्सी फेंककर तुझे चिपका लेगा जिसने एक बार नागराज जैसे शख्स को भी बेबस कर डाला था।
और हां, इस टेप रस्सी से छूटने का ख्याल अपने दिमाग से निकाल देना...
...क्योंकि जब तक एण्टी गम स्प्रे इस पर नहीं डलेगा तब तक तुम इससे किसी भी हाल में नहीं छूट सकते और उस स्प्रे की मदद से मैं तुम्हें तब तक इस टेप रस्सी से नहीं छुड़वाऊंगी जब तक तुम्हें अपना गुलाम नहीं बना लेती!
लेकिन तुम्हारा माइंड वॉश करने से पहले मैं तुम्हें उन सवालों का जवाब दे देना चाहती हूं जिसकी तलाश में तुम अपनी जान पर खेलकर यहां तक आ पहुंचे...
...तुम यही सोच रहे थे कि लाखों वर्ष पहले के इस दलदल से जीवित होकर कैसे निकल रहे हैं इसका सा जवाब यह है कि मैं वर्षों की मेहनत से एक ऐसी लाइफ को बनाने में सफल हो गई थी किसी भी प्राणी के को एकत्रित क
...उसे वैसा ही कृत्रिम रूप दे देता है जैसे उसका स्वरूप था। चूंकि लाखों वर्ष पुरानी इस दलदल में प्राचीन प्राणियों के कण काफी अधिक मात्रा में मौजूद हैं इसलिए लाइफ मशीन कीचड़ में मौजूद अजीबो-गरीब रासायनिक प्रक्रियाओं से क्रिया करके उन प्राचीन प्राणियों को नया रूप दे रही है।
अपनी इस अद्भुत लाइफ मशीन की बदौलत मैं सारी दुनिया पर राज करूंगी और तुम मेरे गुलाम बन कर मुझे भरपूर सहयोग दोगे।
तुम्हारा सोचा शायद पूरा हो जाता मिस किलर...
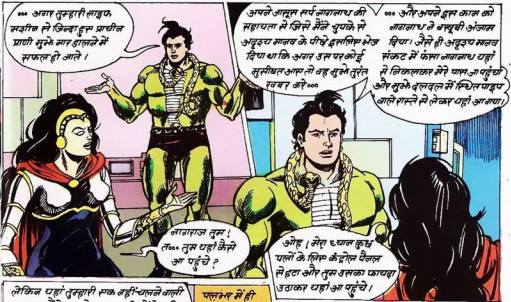
••• अगर तुम्हारी लाइफ मशीन से जिन्दा हुए प्राचीन प्राणी मुझे मार डालने में सफल हो जाते।
अपने जासूस सर्प नागनाथ की सहायता से जिसे मैंने चुपके से अदृश्य मानव के पीछे इसलिए भेज दिया था कि अगर उस पर कोई मुसीबत आए तो वह मुझे तुरंत खबर करे•••
••• और अपने इस काम को नागनाथ ने बखूबी अंजाम दिया। जैसे ही अदृश्य मानव संकट में फंसा नागनाथ यहां से निकलकर मेरे पास जा पहुंचा और मुझे दलदल में स्थित पाइप वाले रास्ते से लेकर यहां आ गया।
नागराज तुम! त••• तुम यहां कैसे आ पहुंचे?
ओह! मेरा ध्यान कुछ पलों के लिए कंट्रोल पैनल से हटा और तुम उसका फायदा उठाकर यहां आ पहुंचे।
लेकिन यहां तुम्हारी एक नहीं चलने वाली नागराज! मैंने अपने चमत्कारी गोंदोट की वह फौज एक बार फिर तैयार कर ली है, जो एक बार तुम्हारी वजह से खत्म हुई थी। इस बार तुम उनसे नहीं बच पाओगे।
पलभर में ही गोंदोट की फौज ने नागराज को घेर लिया—
तेरी मौत के साथ-साथ मैं ना केवल नागराज की हत्यारी के नाम से नवाजी जाऊंगी बल्कि नागपाशा के विशाल तिलिस्मी खजाने की स्वामिनी भी बन जाऊंगी। हा हा हा।
नागपाशा! कौन है ये नागपाशा?
सोच में डूबे नागराज को•••

अगले ही पल उछल जाना पड़ा—
जो भी सोचना है उसे बाद में सोचूंगा। पहले गोंदोटों की इस फौज से निपटने की सोचूं जिनमें से एक का भी वार सफल हो गया तो मैं ऐसे चिपक जाऊंगा कि मरकर ही छूटूंगा।
पिछली बार जीबी के एंटीगम स्प्रे की बदौलत मैं इनसे बच गया था लेकिन इस बार क्या करूं इनके सामने अपने सर्प सैनिकों को बाहर निकालना तो बेवकूफी होगी क्योंकि ये सभी उन्हें तुरन्त ही चिपका देंगे।
तो फिर क्या करूं? इनसे कैसे निपटूं?
फच
सोच ही लिया नागराज ने गोंदोद्दसों से निपटने का तरीका—
इनकी गोंद शक्ति इन्हीं के विरुद्ध इस्तेमाल करूं तो बात बन सकती है। लेकिन इसके लिए मुझे अत्यधिक फुर्ती•••
•••और चपलता की जरूरत है•••
फच
•••और जरूरत है सही समय पर सही वार करने की।
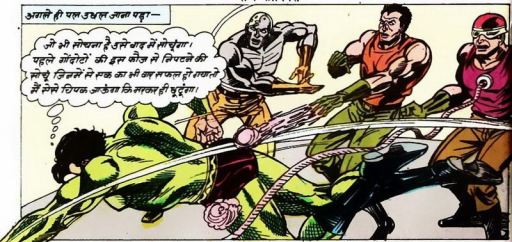
सुपर गोंद की मदद से एक-दूसरे से चिपके ये दोनों गोंदोट्स तो अब जीवन भर नहीं छूटने वाले!
इसलिए अब मुझे अपना सारा ध्यान इस टेप रस्सी फेंकने वाले इन दोनों पर लगाना चाहिए।
धाड़
इन दोनों की टेप रस्सी भी अगर इन्हीं के शरीर से लिपटे तो बात बने। लेकिन इसके लिए मेरी तरफ बढ़ती टेप रस्सी का उनकी तरफ बढ़ना जरूरी है... और ये काम मेरा यह उड़न सर्प बखूबी अंजाम देगा।
नागराज के शरीर से निकले उस उड़ने वाले सर्प...
... ने टेप रस्सी को हवा में ही अपने मुंह में दबोचा—
और—
शाबाश, मेरे जांबाज सिपाही!
सांय
सांय
सांय
पलभर में ही चिपचिपी टेप का बड़ा ढेर बने नजर आए दोनों गोंदोट्स —
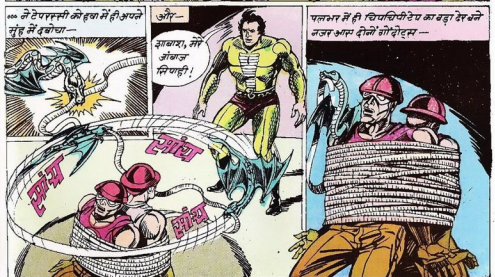
उसी क्षण नागराज को सतर्क किया अदृश्य मानव की आवाज ने-
नागराज! उधर देखो!
ओह! इतने सारे गोंदोट्स... अगर ये यहां आ पहुंचे तो फिर हमें कोई भी एक चिपचिपी मौत मरने से नहीं बचा सकता।
उन्हें रोकना होगा।
एक साथ सैकड़ों सर्पों को अपने हाथों से निकालता चला गया नागराज-
सर्र्र
सर्र्र
अब-
वह मौका पाकर यहां से भाग गई है।
उसका यहां से भागकर जाना किसी खतरे की तरफ इशारा कर रहा है, वह जरूर कुछ ना कुछ भयानक करने की ठान बैठी है।
उम्मीद है ये सर्प दरवाजा गोंदोट्स को इतनी देर तो रोकने में सफल हो ही जाएगा, जितनी देर में मिस किलर का दिमाग ठिकाने... अरे!
मिस किलर कहां गई?
मैं उसे रोकता हूं, साथ ही तुम्हें इस घातक टेप से छुड़वाने के लिए एंटीगम स्प्रे भी उससे हासिल करता हूं।

उड़न सिख मिल्खा सिंह की भांति भागता नागराज कंट्रोल रूम में पहुंचा—
मिस किलर तो यहां कहीं नजर नहीं आ रही। कहां गई वह?
मैं यहीं मौजूद हूं नागराज!
और मेरे साथ मौजूद है... तेरी मौत! तूने दलदल के रास्ते यहां पर आकर अपनी मौत का रास्ता खुद चुन लिया है...
...दलदल में से गुजरकर यहां पर आते समय, तेरे शरीर के कुछ कण भी दलदल में मिल गए थे...
...और उन कणों को समेटकर, मेरी अद्भुत 'लाइफ-मशीन' ने बना दी है तेरी मौत!
ओह! दलदल के कीचड़ से बना मेरा ही प्रतिरूप!

धाड़.
नागराज ने पहला वार, खुद करने का फैसला कर लिया था—
यह मेरा प्रतिरूप काफी खतरनाक लग रहा है! इससे पहले कि यह मुझ पर हमला करे, मैं इसको काबू में...
आह!
नागराज को ऐसा लगा, मानो उसने अपना पैर, चट्टान पर दे मारा हो—
और प्रतिरूप के वार ने उसके दिमाग का पुर्जा-पुर्जा हिलाकर रख दिया—
आऽऽऽ ह!
धाड़.
हा हा हा! यह तो मैं तुमको बताना भूल ही गई नागराज, कि इसका शरीर पत्थर सा सख्त है। और इसमें शक्तियाँ भी तुम्हारे जैसी ही हैं...
... फर्क सिर्फ इतना है कि तुम्हारे हाथ से असली सर्प निकलते हैं, और इसके हाथों से...
... कीचड़ के सांप! इनका मुझ पर क्या असर होगा, यह मुझे नहीं पता। मुझे इनसे बचना होगा।

नागराज ने, नागों का जवाब नागों से दिया, लेकिन–
ओह! मेरी सर्प सेना को इन कीचड़ के सांपों ने बेबस कर दिया है। अब तो सिर्फ एक ही रास्ता है...
... कि मैं इसको विष फुंकार से बेहोश कर दूं!
लेकिन नागराज की विष-फुंकार ने प्रतिरूप को नुकसान पहुंचाने की बजाय...
फूंऊऊ
... प्रतिरूप को उसकी एक और शक्ति याद दिला दी–
ओह! इसके मुंह से तो विष-फुंकार के स्थान पर कोई गैस निकल रही है। जो मुझ पर बेहोशी का सा असर कर रही है!
नागराज का मस्तिष्क कुछ पलों के लिए संज्ञा-शून्य हो गया, और उसकी गर्दन एक शिकंजे में कस गई–
अंह!

नागराज ने अपने मस्तिष्क पर धाती बेहोशी को झटककर, अपनी पूरी ताकत जुटाई और—
धड़ाम
लेकिन प्रतिरूप न केवल फुर्ती से उठ खड़ा हुआ, बल्कि उसने नागराज को एक घातक जकड़ में कैद कर लिया—
आह!
इसका नागपाश मेरे शरीर की सारी शक्ति खींच रहा है!
मेरी ताकत खत्म... आहह!
और कक्ष मिस किलर के ठहाके से गूंज उठा—
हा हा हा! खत्म हुआ नागराज का खेल हमेशा के लिए। हा हा हा!
अब मिस किलर, 'नागराज किलर' बन गई है! अब नागपाश का खजाना भी मेरा होगा, और अंडरवर्ल्ड का साम्राज्य भी! हा हा हा!
धीरे-धीरे नागराज के गले से निकलती आवाज भी बंद हो गई, उसका शरीर शांत हो गया—

ऐसा है तो मेरी किक भी तुम ले लो, मिस किलर!
तड़ाक
आऊ!
नागराज, तुम जिन्दा हो! पर ये हुआ कैसे? नागपाश ने तुम्हारी शक्ति सोखनी बन्द कैसे कर दी?
सॉरी मिस किलर! मैं तुम्हें यह नहीं बता सकता क्योंकि मुझे खुद नहीं मालूम कि ऐसा कैसे हुआ?
किसी से कुछ पूछने की जरूरत नहीं है मिस किलर!...
धाड़
...अगर एक बार मेरी तरफ देख लोगी तो खुद-ब-खुद समझ जाओगी।
अदृश्य मानव, तुम लाइफ मशीन पर! ओह प्रतिरूप को तुमने स्विच दबाकर निष्क्रिय कर दिया।
लेकिन इस हाल में तुम यहां कैसे आ पहुंचे?
अपनी इच्छा शक्ति के बल पर, जो तब प्रबल हो उठी जब मेरे कानों में तुम्हारी दर्दनाक चीखें पड़ीं–
उफ! नागराज की जान खतरे में है। ऐसे में मैं ही उसे बचा सकता हूं... लेकिन मैं ऐसा करूंगा कैसे, मेरे शरीर पर तो टेपरस्सी बुरी तरह चिपकी हुई है।
मेरे लिए यह बहुत बड़ी समस्या थी–

••• लेकिन मैंने उसका हल ढूंढ ही लिया –
यह टेप रस्सी मुझे चलने से रोक सकती है, मगर लुढ़कने से नहीं।
तेजी से लुढ़कता हुआ मैं कंट्रोल रूम में पहुंचा –
लेकिन अगर नागराज को बचाना है तो मुझे इस असंभव को संभव कर दिखाना होगा।
नागराज को उस प्रतिरूप ने बुरी तरह जकड़ रखा है, और मैं जानता हूं कि उसे कैसे बचाया जा सकता है उसके लिए मुझे उस लाइफ मशीन तक पहुंचना होगा इस हाल में ऊंचाई पर मौजूद उस मशीन तक पहुंचना लगभग असंभव है।
एक कलाबाजी से मेरे मुड़े हुए पैर, 'लाइफ मशीन' के ऊपर आ गिरे –
पीठ के पीछे चिपके हुए हाथों का पुरजोर धक्का और मुड़े पैरों के खिंचाव ने मेरे शरीर को गोल घुमाकर •••
••• लाइफ मशीन के ऊपर ला टिकाया –

...और यहां पहुंचने के बाद
ला क्या मुश्किल था उस स्विच
दबा देना जो प्रतिरूप को
निष्क्रिय करता था।
तुमने अपने प्रयास से नागराज को तो बचा लिया। लेकिन तुम दोनों मुझसे बचोगे नहीं मैं तुम्हें रक्त करके ही दम लूंगी।
... क्योंकि मैंने तेरी मशीन से निर्मित प्रतिरूप को तेरे विरुद्ध काने के लिए यह MODECHANGE का स्विच दबा दिया है।
अब हमारी नहीं, अपनी चिंता कर मिस किलर...
ईयाऽऽ
दूसरे ही पल- मिस किलर की चीखें गूंजने लगीं-
उसके बेहोश होने के साथ ही शान्त हुईं-
अंह!
मिस किलर के लिए इतनी ही
ज़ा काफी है। अब इस प्राणी के साथ-साथ
घातक लाइफ मशीन भी नष्ट हो
जानी चाहिए।
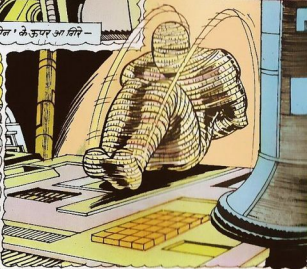
ठीक कहते हो नागराज! लेकिन ये शुभ काम तुम अपने हाथों से ही पूरा करो!
पर पहले मुझे नीचे उतार लो!
नागराज की शक्ति का अद्भुत नमूना था, उस लाइफ मशीन को तोड़ना—
चलो, अब अपना काम खत्म हुआ!
अभी नहीं दोस्त, अभी तो हमको मानवी और उसके परिवार वालों को ढूंढ़ कर उन्हें आजाद करना है और फिर मिस किलर को जेल पहुंचाना है।
लेकिन पहले इन सबसे जरूरी एक काम...
... तुम्हें इस एंटी गम स्प्रे की सहायता से टेप रस्सी से आजाद करवाना।
ANTIGU
फ्स्स्स्स
एंटी गम स्प्रे
टेप रस्सी छूटने के साथ ही अदृश्य हो गए प्रोफेसर श्रीकांत—
मैं तुम्हारे इस सहयोग को जीवन भर नहीं भूलूंगा दोस्त!
कोई बात नहीं नागराज! मुझे तो तुम्हारी सहायता करके खुशी ही हुई है!
फिर नागराज ने मानवी और उसके परिवार वालों को आजाद कराया—
मुझे माफ करना नागराज, मेरी वजह से तुम...
मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है मानवी। तुम्हारी जगह मैं भी होता तो वैसा ही करता।
आओ अब वापस चलें, क्योंकि अभी मेरी तलाश पूरी नहीं हुई है और मेरी तलाश तुम्हारी सहायता के बिना पूरी हो भी नहीं सकती!
फिर सभी हंसी-खुशी वहां से रवाना हुए—

इधर किले के अन्दर खास मरघट से सन्नाटे को नागपाशा की गंभीर आवाज ने भंग किया—
दोस्तो... पहले जादूगर शाकूरा और अब मिस किलर दोनों ही ना केवल नागराज को मारने में असफल रहे, बल्कि अपने-अपने वर्तमान जीवन को भी अंधकार में धकेल बैठे।
जहां जादूगर शाकूरा को उसके ग्रह वाले बंदी बनाकर अपने साथ ले गए वहीं मिस किलर भारत की किसी अत्यन्त सुरक्षित जेल की शोभा बढ़ा रही।
और इन दो महारथियों की हार ने मेरे मनोबल को भारी ठेस पहुंचाने के साथ-साथ यह बात भी मेरे दिमाग में बिठादी है कि नागराज को कोई भी नहीं समाप्त कर सकता!

एक झटके से उठ खड़ा हुआ प्रोफेसर नागमणि गरजा—
इस बात को अपने दिमाग से निकाल दीजिए श्रीमान नागपाशा! मैं नागराज का निर्माता हूं। और मैं उसे चुटकियों में खत्म कर सकता हूं, आप मुझे मौका दीजिए!
चट
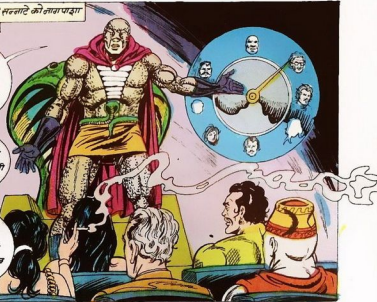
फिर तो सभी खड़े हो गए—
नहीं, मैं करूंगा इस शुभ काम को!
अगर नागदंत ना कर सका इस छोटे से काम को तो भला दुनिया में कौन जानेगा नागदंत के नाम को!
मुझे मिलना चाहिए ये मौका!
नहीं मुझे!

हिन्दी फिल्म के किसी विलेन की भांति मुस्कराकर बोला नागपाशा—
फिर वही पहले वाला विवाद... जिसका फैसला उसी तरीके से होगा...
...एक व्हील घुमाकर!
तेजी से घूम उठी एक व्हील की सुई—

नागराज—

मैं नागमणि द्वीप छोड़कर सदा के लिए आधुनिक दुनिया में रहने के लिए आ गया हूं, लेकिन इस दुनिया में आकर मैं नागराज के रूप में रहा तो मेरे दुश्मन अपराधी मुझ पर हमला करने से बाज नहीं आएंगे।
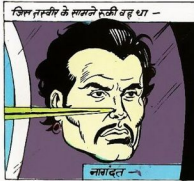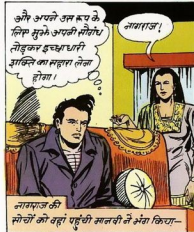
और ऐसा होने पर मेरे इर्द-गिर्द रहने वाले लोगों पर कभी भी कोई भारी संकट आ सकता है। चूंकि मैं ऐसा नहीं चाहता इसलिए मुझे इस नागराज के रूप को त्यागकर किसी अन्य रूप में इस दुनिया में रहना होगा।

और अपने उस रूप के लिए मुझे अपनी सौगंध तोड़कर इच्छाधारी शक्ति का सहारा लेना होगा।

नागराज!

तुम्हें अपने सपनों के मंदिर को खोजने के लिए मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो जाना होगा। नागराज मेरा अध्ययन कहता है कि वहां मौजूद सैकड़ों प्राचीन मंदिरों में तुम्हें तुम्हारे सपनों का मंदिर जरूर मिलेगा।

ठीक है मानवी, मदद के लिए धन्यवाद। फिर कभी तुम्हारी जरूरत पड़ी तो मैं तुमसे जरूर मिलूंगा।

मानवी से विदा लेकर निकल पड़ा नागराज—
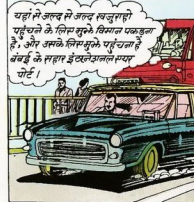
यहां से जल्द से जल्द खजुराहो पहुंचने के लिए मुझे विमान पकड़ना है, और उसके लिए मुझे पहुंचना है बंबई के सहार इंटरनेशनल एयर पोर्ट।

तभी एक झटके से रुक गई टैक्सी—

जिसका कारण... ठीक टैक्सी के सामने खड़ा नजर आया नागराज को —
ये कौन है, और इसने क्यों रोकी टैक्सी?
भाग बेटा, वरना आज के बाद टैक्सी क्या अपने हाथ-पांव भी नहीं चला पाएगा।
नागराज अभी सोचता ही रह गया...
...और सामने वाले ने वार भी कर दिया —
ये जानने के लिए इसके वारों से बचकर...
...और अपने वार करके इसे उस क्यों का जवाब देने के लिए मजबूर करना होगा!
धाड़
ओह! एकदम से खतरनाक हो गया ये हूहाहाहू। लेकिन क्यों?
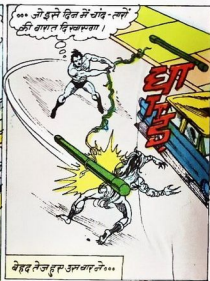
बला की तेजी से सरसराकर आया वह—
ओह! मेरे वार से तो इसका पारा और चढ़ गया। इसका दिमाग ठिकाने लगाने के लिए, वह नीचे पड़ा लोहे का खंभा एकदम ठीक रहेगा...
...जो इसे दिन में चांद-तारों की बारात दिखाएगा।
धा
बेहद तेज हुए उस वार ने...
...हुहाहाहू को जुनूनी बना डाला, उसने टैक्सी अपने दोनों हाथों में उठा ली—
इसलिए इससे पहले कि वह टैक्सी मुझ पर फेंके...
हू हा हा
ओह! यह भारी-भरकम है। मगर मेरे ऊपर गिरी तो मैं पिसकर रह जाऊंगा!
...मुझे उस पर हमला कर देना चाहिए।
आ ह्ह
धा

अब इसे संभलने का मौका देना बेवकूफी होगी।
... एक साथ ही अपना विष उसके शरीर में भर दिया—
फुस्स हिस्स
नागराज के हाथ से छूट पड़े सर्पों ने...
अपना काम कर सभी सर्प वापस नागराज के जिस्म में समा गए—
ये शायद मरने के लिए ही मेरे सामने आया था!
फिर नागराज दूसरी टैक्सी पकड़कर एयरपोर्ट पहुंचा—
AIRPORT
DEPARTURES
TICKETS
GATE NO: 1
प्लेन द्वारा कुछ ही घंटों का सफर तय करके नागराज बंबई से पहुंचा...
खजुराहो! सैकड़ों प्राचीन मंदिरों के लिए वर्षों से प्रसिद्ध! मेरे सपनों का मंदिर मुझे जरूर यहीं कहीं मिलेगा।
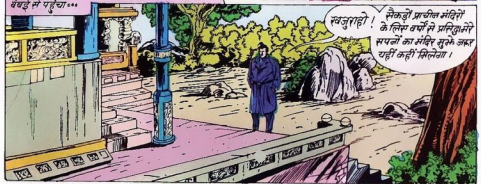
उस मृत्यु मंदिर की तरफ बढ़ते नागराज के कदम अचानक उस आवाज़ ने ठिठकाकर रख दिए—
ठहर जा, नागराज!
यहां कौन आ गया मुझे इस रूप में पहचानने वाला!
मैं नागफन! और ये जानकर तुझे सख्त हैरानी होगी नागराज कि तुझको पहचानने वाला ये नागफन इस दुनिया से तेरी पहचान खत्म करके ही जाएगा!
ये तो इच्छाधारी नागमानव है, लेकिन इससे मेरी क्या दुश्मनी है, और इसको मेरे यहां होने का पता कैसे ...
तड़ाक
...चला! ओऽऽह!
भीषण प्रहार किया था नागफन ने—
अब तो नागराज को शुरू होना ही था—
तेरे बारे में बहुत से सवाल मेरे मस्तिष्क में घुमड़ रहे हैं नागफन, और मुझे उम्मीद है तू उनके जवाब बिना पिटे नहीं देने वाला!
नागराज के वार से उलट गया नागफन—
क्रोधित नागफन ने आश्चर्यजनक तरीके से एक भारी चट्टान को अपने फन से उठा लिया—
नागराज, जरा सोच के बतला कि ये भारी चट्टान तेरा कीमा बनाएगी या कचूमर निकालेगी!

ओह! ये मुझपर चट्टान फेंकने आ रहा है! नागरस्सी पर झूलकर बचना होगा। और उसके लिए निकालने होंगे नाग••• अरे!
••• अगर सोचता ही रह जाता तो फिर कुछ सोचने लायक ना रह गया होता—
उफ्! बाल-बाल बचा! मुझे अपनी नागशक्तियों का फिर परीक्षण करके देखना होगा।
कड़ड़ड़ड़
ये क्या? दसियों फुट लंबी नाग रस्सी निकलने की बजाय मेरे शरीर से सिर्फ एक ही नाग निकला है। उफ्! क्या हो रहा है ये?
सोच में डूबा हुआ नागराज•••
इस बार तो और भी गजब हो गया—
एक भी नाग नहीं निकला••• नागशक्ति बिल्कुल खत्म!
उफ्! क्या हुआ••• क्या हुआ है••• मेरी नाग शक्तियों को? क्यों मेरे शरीर से बाहर नहीं निकल रहीं वो?
किसी और तरीके से इस नागफन को वश में करना होगा! और वह काम करेगा मेरा यह ओवरकोट!
नागराज ने बिजली की सी फुर्ती से नागफन के घातक फन को, ओवरकोट की लपेट में ले लिया—
फुर्र्स

राज कॉमिक्स
अब है मेरी बारी एक प्रचण्ड वार करने की...
धड़ाक
... और इसके संभलने से पहले मैं अपने दांतों को इसके मांस में गड़ा दूं ताकि मेरे शरीर में बहता जहर इसकी नसों में बहते लहू में मिल जाए, और फिर इसे मोम की तरह पिघला दे।
नागराज के विष को पचा जाए इस धरती के प्राणियों में ऐसी क्षमता कहां है—
मजबूरी में इसे मारना पड़ा, वरना ये मुझे मार डालता।
लेकिन ये था कौन और कहां से आया था?
उन सवालों का जवाब जो सूझा, नागराज को तो बुरी तरह चिंहुका वह—
पृथ्वी के घातक और भयंकर इच्छाधारियों को ढूंढकर मेरे खिलाफ खड़ा करने की कला तो सिर्फ नागदंत ही जानता था, उसी ने एक बार मुझ पर ऐसे हमले कराए थे।
लेकिन नहीं, ये नागदंत नहीं हो सकता। नागदंत को तो मैं जर्मनी के ज्वालामुखी विस्फोट में फंसा छोड़कर आ गया था और वह ज्वालामुखी मेरी आंखों के सामने इस तरह फटा था कि नागदंत का बचना असंभव था। ✱
फिर सोचने लगा अपनी नागशक्तियों के बारे में—
टन टन टन टन
उसका जवाब तो मैं नहीं ढूंढ पाया लेकिन अपनी नागशक्ति के क्षीण होने का जवाब जरूर ढूंढ सकता हूं। और उसके लिए मुझे योग शक्ति से अपने शरीर के सभी नागों को बाहर निकालना...
तो फिर किसका गुलाम बन कर उस इच्छाधारी नाग ने मुझ पर हमला किया था?
उस विषय में कुछ न सोच सका नागराज तो—
पास ही के किसी मंदिर में गूंज उठे उस घंटे ने नागराज का ध्यान भंग कर दिया—
✱ उपरोक्त के बारे में जानने के लिए अवश्य पढ़िए 'फिर आया नागदंत'

टन टन टन
टन टन टन टन
अचानक मंदिर की तरफ बढ़ते नागराज ने अपना रास्ता बदल लिया—
ऐ भाई ! सड़क पर देखकर नहीं चलते हो, मरना है क्या ?
चीं ई ई ई
एक झटके से नागराज पीछे घूमा—
ओह... प... ये क्या, इस आदमी की आंखें !
बाकी के शब्द उसके गले में अटककर रह गए क्योंकि—
ईया
वह हवा में लहरा गया था—
और जबतक वह संभलता, नागराज उसकी कार लेकर उड़नछू हो चुका था—
अरे, कोई पकड़ो, वह मेरी कार लेकर भागा जा रहा है।
नागराज और कार चोर ?
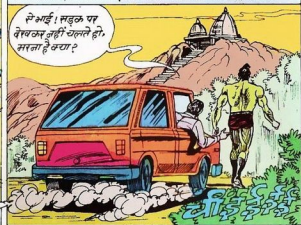
खजुराहो से चालीस किलोमीटर दूर स्थित यह नेशनल एटॉमिक पॉवर स्टेशन। यह अत्यन्त गोपनीय बात थी कि इस पॉवर स्टेशन में परमाणु बम का निर्माण किया जा रहा है—
यही कारण है कि यहां मौजूद मुस्तैद सुरक्षा कर्मियों की निगाहों से बचकर कोई परिन्दा भी पॉवर स्टेशन में पर नहीं मार सकता—
NATIONAL ATOMIC POWER STATION
PROHIBITED AREA
लेकिन ये क्या? आज कौन पहुंचा है यहां?
फूऊऊऊ
नागराज—
PROHIBITED AR
हल्की सी विष-फुंकार से इन्हें बेहोश करना ही काफी है।
एक-दो सुरक्षाकर्मी गोलियां चलाने में सफल हो ही गए, लेकिन—
तड़ तड़ तड़तड़तड़ाड़
नागराज पर भला गोलियों ने कहां असर किया है—
फिर पल भर बाद ही गोलियां चलाने वाले बेहोशी के आंगन में कबड्डी खेलने लगे—
फूऊऊ
और उन्हें बेहोश करने वाला नागराज आगे बढ़ गया—
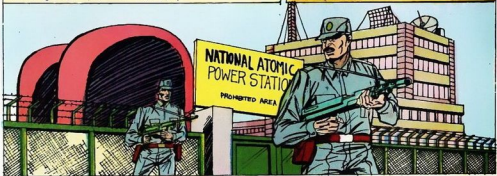
कुछ ही पलों बाद नागराज स्टॉमिक पॉवर स्टेशन की मुख्य प्रयोगशाला में नजर आ रहा था—
इन सबको सम्मोहित करना होगा!
सम्मोहन सम्राट नागराज के सम्मोहन का जब जादू चला तो—
मैं कहां हूं?
मैं कौन हूं?
तू इस समय मेरे आदेश का गुलाम है!
बता, यहां क्या हो रहा है?
सम्मोहन के जादू में बंधे वैज्ञानिक ने जो-जो नागराज को बताया—
सुनकर उसकी आंखें शैतान की मानिन्द चमक उठीं—
परमाणु बम! भारत का पहला परमाणु बम बनकर तैयार हो चुका है लेकिन अगर वो परमाणु बम बलास्ट हो जाए तो भारत में ऐसी तबाही मचेगी कि बच्चा-बच्चा नागराज के नाम से थर्रा उठेगा और फिर...
...और फिर जो होगा उसे सारी दुनिया देखेगी। हा हा हा!
हा हा
हा हा हा हा
हा हा हा
एक पल बाद ही स्टॉमिक पॉवर स्टेशन में गूंज उठे उस तेज सायरन की आवाज ने वहां मौजूद प्रत्येक शख्स के रोंगटे खड़े कर दिए—
व्हीईईईई
इस सायरन के बजने का एक ही मतलब है जो परमाणु बम यहां रखा हुआ है वह फटने जा रहा है।
हे भगवान! ये तो अनर्थ हो जाएगा!

कंट्रोल लैब की तरफ भागो, वहां मौजूद वैज्ञानिकों के साथ मिलकर हम उस बम को डिफ्यूज करने की कोशिश कर सकते हैं।
लेकिन कंट्रोल लैब में पहुंचा हर शख्स मानो जड़ होकर रह गया—
हा हा हा ! मैंने परमाणु बम से संबंधित कंट्रोल पैनल को एकदम नष्ट कर दिया है अब बम को फटने और भारत में भीषण तबाही होने से कोई नहीं रोक सकता, और ऐसा होने में सिर्फ कुछ ही मिनट लगेंगे। हा हा हा !
कड़ंक
हटो मेरे रास्ते से, अब मेरा काम खत्म हुआ। जाने दो मुझे। हा हा हा।
ओह!
एक गार्ड ने नागराज पर कर दिया वह वार—
तूने लाखों की जान खतरे में डाल दी है, तू यहां से बचकर नहीं जा सकता।
ताड़
आ ह!
सिर पर लगी उस चोट से नागराज कराह उठा—
और फिर नागराज को संभलने से पहले ही कई सुरक्षाकर्मियों ने उसे जकड़ लिया—
इसके मुंह पर काबू करो ताकि ये हमें अपनी विष-फुंकार से बेहोश न कर सके।
अरे! ये क्या कर रहे हो तुम? क्यों पकड़ रखा है तुमने मुझे? क्या कुसूर है मेरा?
मैं तो खजुराहो के मंदिरों के पास था फिर ये मैं कहां आ गया हूं? मैं यहां कैसे पहुंचा? और मुझे ऐसा क्यों लग रहा है जैसे मैं अभी-अभी नींद से जागा हूं।

नागराज को जब अपना कुसूर पता चला तो वह सन्न रह गया –
उफ़! नहीं। मैंने••• मैंने यहां रखे परमाणु बम को ऐसी स्थिति में ला दिया है कि वह कुछ ही देर बाद फटकर लाखों की जिन्दगी को मौत के मुंह में धकेल दे! उफ़!
मैं ऐसा नहीं कर सकता!
तुमने ऐसा ही किया है नागराज! यहां मौजूद प्रत्येक शख्स यह जानता है।
ओह! अगर ऐसा है तो छोड़ो मुझे। मैं कोई ऐसा प्रबंध करने की कोशिश करता हूं जिससे परमाणु बम को फटने से रोका जा सके!
तुम्हारी बातों में आकर तुम्हें छोड़ने जैसी बेवकूफी अब हम नहीं करेंगे नागराज, क्योंकि हम जानते हैं कि हमसे छूटने के साथ ही तुम बम को फटने से रोकने का प्रयास करते वैज्ञानिकों पर हमला बोल दोगे।
ओह! इस तरह ये गार्ड मेरी बात मानने को राजी नहीं, अब तो मुझे अपने को छुड़ाने का दूसरा तरीका अपनाना पड़ेगा!
और वह दूसरा तरीका है ये!
माफ करना दोस्तो, जो भारी भूल मैं कर चुका हूं, उसे सुधारने का मौका हासिल करने के लिए•••
••• यह करना जरूरी हो गया है!
धड़
तड़

गार्डों के होश ठिकाने लगाने के बाद–
धाड़.
पलटता हुआ नागराज, एक भागते हुए वैज्ञानिक से टकरा गया–
क्या हुआ प्रोफेसर! आप सब लोग यूं भाग...
भागो! तुम भी भागो, परमाणु बम को फटने से रोकने के लिए हमने जो प्रयास करने थे वे सब करके देख लिए। अब कुछ नहीं हो सकता, बम हर हाल में फटेगा। दो मिनट बाद। इन दो मिनटों में भागकर अपनी जान बचा सकते हो तो बचाओ।
एक मिनट प्रोफेसर! कंट्रोल पैनल के सिवा क्या और कोई ऐसा साधन नहीं है जिससे परमाणु बम को फटने से रोका जा सके!
मैं तुम्हें कुछ नहीं बताऊंगा क्योंकि तुम ही होने वाली तबाही के जिम्मेवार हो!
इसका मतलब कोई दूसरा हल भी है...
...और वह क्या है ये तुम्हें मुझे बताना ही होगा प्रोफेसर!

सम्मोहन में फंसे प्रोफेसर ने तुरन्त ही बोलना शुरू कर दिया-
परमाणु बम जहां रखा हुआ है ठीक उसके नीचे उसकी पॉवर बैटरी, कंट्रोल वायर्स वगैरहा फिट हैं, जो एक अंडरग्राउंड रास्ते से जाकर हमने वहां फिट की हुई हैं। उस रास्ते से जाकर अगर कोई उस पॉवर बैटरी और कंट्रोल वायरों को काट दे तो बम को फटने से रोका जा सकता है...
...लेकिन ऐसा होना इसलिए असंभव है क्योंकि एक तो इस समय तक वहां तक पहुंचने वाले अंडरग्राउंड रास्ते पर फटने को तैयार परमाणु बम से जनरेट हुई गर्मी का तापमान काफी अधिक हो गया होगा, जिसे आम आदमी नहीं सह सकता...
...और ऊपर से सिर्फ दो मिनट में कोई भी इंसान परमाणु बम के नीचे फिट उस बैटरी व वायरों तक नहीं पहुंच सकता क्योंकि वे सभी बम के काफी अन्दरूनी हिस्से में लगी हुई हैं, वहां तक पहुंचने के लिए काफी सामान को खोलना पड़ेगा जो इतने कम समय में हरगिज नहीं हो सकता। फिर बताओ कोई मनुष्य वहां तक कैसे पहुंच सकता है।
अंजाम कुछ भी हो प्रोफेसर, मैं वहां तक पहुंचने की कोशिश जरूर करूंगा।
जल्द ही नागराज परमाणु बम के ठीक नीचे पहुंचने वाले अंडरग्राउंड रास्ते पर भागा जा रहा था—
सचमुच यहां काफी गर्मी है। लेकिन मेरे शरीर पर नागों की विशेष खाल होने की वजह से मैं इसे कुछ समय तक जरूर सह सकता हूं, और वही कुछ समय मेरे लिए काफी होगा।
अचानक भागता-भागता नागराज औंधे मुंह गिरा—
?

नागराज भौचक्का रह गया—
मेरे शरीर से अपने-आप निकल कर ये नाग मेरे पैरों से लिपट गए और इन्होंने मुझे गिरा दिया...
...अरे! ये क्या? मेरे शरीर से तो बहुत से नाग बाहर निकल रहे हैं।
और... और ये क्या? ये तो मेरे शरीर से जकड़ते जा रहे हैं।
लेकिन ये नाग एकाएक मेरे शरीर से निकले कैसे मेरी नागशक्तियां तो...
ओह नहीं... ये-ये मेरी नाग शक्तियों में शामिल नाग हैं ही नहीं। इस जाति और इस किस्म के नागों ने मेरे शरीर में तो कभी बसेरा नहीं किया...
...उफ! क्या चक्कर है ये? किसकी नागशक्तियां मेरे शरीर में वास कर रही हैं और... और ऐसे मौके पर निकलकर मुझे जकड़कर रोकने का प्रयत्न कर रही हैं जब लाखों जिन्दगियां और नागराज का मान-सम्मान खतरे में है।
फिल हाल परमाणु बम के सिवा मेरे पास कुछ भी सोचने का समय नहीं है। इसलिए मुझे इन नाग-शक्तियों से तुरन्त ही स्वयं को आजाद करना है।
एक झटके से नागशक्तियों से आजाद हुआ नागराज तो...
...उसे एक और समस्या का सामना करना पड़ा—
ओह! मेरे मस्तिष्क पर फिर कोई हॉवी होने का प्रयत्न कर रहा है। लेकिन अब मुझे...

... किसी भी हाल में ऐसा नहीं होने देना!
इस तरीके से मेरे सिर में चोट तो जरूर लगेगी, लेकिन अपने पर हॉवी होती शक्ति से निबटने का एक यही साधन है।
धड़ाड़
दीवार से सिर मारकर नागराज आगे बढ़ा तो उसे एक बार फिर नागरस्सी ने जकड़ लिया—
उफ्! फिर उन्हीं नागशक्तियों ने मेरा रास्ता रोक लिया...
... जबकि बम फटने में सिर्फ कुछ ही सेकेंड बाकी हैं।
ACCESS
ENTRY CODE
और इतने कम समय में मुझे सामने दिखते बम के ठीक नीचे पहुंचने के लिए यह रास्ता अपनाना होगा!
जमीन पर लोट लगाकर तेजी से लुढ़कने लगा नागराज—
और फिर एक झटका खाकर रुक गया—
उफ्! ढेर सारे नाग मजबूती से उस खंभे से लिपट गए हैं, अगर अब मुझे आगे बढ़ना है तो उन नागों को खंभे से अलग करना होगा।
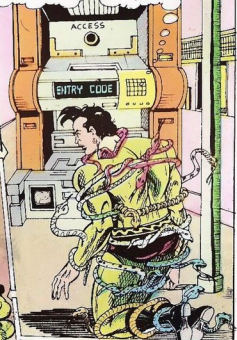
राज कॉमिक्स
••• अपनी पूरी शक्ति का इस्तेमाल करके!
नागराज ने अपनी पूरी ताकत लगा दी—
लेकिन वह अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो पाया—
उफ़! नागशक्तियों की पकड़ काफी मजबूत है, मैं इनसे नहीं छूट पा रहा हूं••• और वैसे भी अगर मैं किसी तरह छूट भी गया तो भी क्या होगा, मैं उस छोटे से रास्ते से घुसकर बम की मशीनरी तक तो पहुंच नहीं पाऊंगा।
अब कुछ नहीं हो सकता, बम के फटने में कुछ ही सेकेण्ड बाकी हैं और मैं बिल्कुल असहाय हूं••• अब सचमुच कुछ नहीं हो•••
ENTRY
••• नहीं! हो सकता है, मैं अपनी इच्छाधारी शक्ति से बहुत कुछ कर सकता हूं। आज मानवता की रक्षा के लिए मुझे अपनी शपथ एक बार तोड़नी ही होगी। ✱
अब भला अपनी इच्छाधारी शक्ति का इस्तेमाल करने में नागराज समय क्यों गंवाता—
झट से मनुष्य से नाग में परिवर्तित हुआ नागराज—
और नागों की जकड़ से छूटकर सरपट भागा—
हिस्स
उसके पीछे भागे अन्य नाग भी—
✱ नागराज के इच्छाधारी रूप और सौगन्ध के विषय में जानने के लिए पढ़ें-
54
amaan.cooldude18
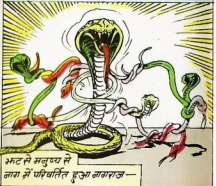
लेकिन नागराज अब हाथ आने वालों में से कहां था–
ACCESS
वह तो तेजी से सामने दिखते संकरे रास्ते में प्रवेश कर गया–
बम की मशीनरी में प्रवेश करने के साथ ही अब नागराज को पहला काम करना था पॉवर बैटरी और कंट्रोल वायरों को काटने का–
ATOM BOMB
और इस काम को करने में उसने एक क्षण का सौ वां हिस्सा भी तो नहीं गंवाया–
कट
क्योंकि वह अच्छी तरह जानता था कि समय गंवाने का एक ही मतलब था उसकी और लाखों मनुष्यों की मौत–
लेकिन अब–
अब खतरा टल चुका था–
फिस्स
परमाणु बम निष्क्रिय हो चुका था–
और इस कारनामें को अंजाम देने वाला था नागराज, जो नागरूप में संकरे रास्ते से बाहर निकल...
ACCESS
ENTRY CODE
... अपने असली रूप में वापस आ गया–
मेरी वजह से पैदा हुआ संकट अब टल गया है!
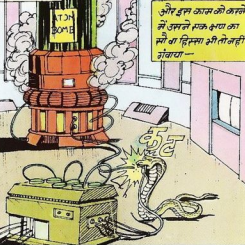
इसलिए अब समय है यह देखने का कि मेरी नागशक्तियां मेरे बुलावे पर क्यों नहीं आईं? कौन है जो मेरे मस्तिष्क को अपने वश में कर लेता है, और किसकी हैं वे नागशक्तियां जो मेरे शरीर में वास कर रही हैं...
... ये सब जानने के लिए मुझे अपनी योग क्रिया का सहारा लेना होगा!
नागराज योग मुद्रा में बैठ गया—
धीरे-धीरे उसके शरीर से निकलने लगीं सभी नागशक्तियां—
उन्हीं के साथ निकला वह अनोखा नाग भी—
जो तेजी से एक तरफ सरक गया—
नागराज ने अपनी आंखें खोलीं तो वह हैरान रह गया—
ओह! ये सब तो मेरी ही नागशक्तियां हैं! तो वे नागशक्तियां कहां गईं जो मेरे शरीर से निकलकर मेरे ही विरुद्ध हो गई थीं।
वे शक्तियां मेरी थीं, नागराज!
... मैं जो तुम्हारे शरीर से बाहर निकला तो वे भी मेरे साथ ही निकल गईं।
नागदंत! त... तुम!
हां, नागराज मैं! मैं ही तुम्हारी उन नागशक्तियों के साथ नाग रूप में तुम्हारे शरीर में उस समय समा गया था, जब वे मेरे भेजे गए हूहाहू को मारकर तुम्हारे शरीर में समाई थीं!

और जब मैं तुम्हारे शरीर में समा ही गया था, तो फिर मेरे लिए तुम्हारी नागशक्तियों और तुम्हारे मस्तिष्क पर कब्जा करना कौन सी बड़ी बात थी !
और फिर मुझे प्राप्त होगा तिलिस्मी खजाना और नागराज के हत्यारे का खिताब।
एक बात और तुम्हारे दिमाग में खलबली मचा रही होगी नागराज, और वो ये कि मैं जर्मनी के ज्वालामुखी से बचकर कैसे निकल आया?
इसका सीधा सा जवाब यह है कि जिस समय ज्वालामुखी फटा उस समय मैं ज्वालामुखी में था ही नहीं। मैं तो उससे कहीं पहले ही नागरूप धारण कर•••
और इसके पीछे मेरा उद्देश्य यह था कि मैं तुम्हें पूरे विश्व में इतना बदनाम करवा देना चाहता था कि तुम स्वयं ही आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाते !
—जमीन में तेजी से बिल बनाता हुआ वहां से बहुत दूर निकल गया था—
क्रोध से फुंकार उठा नागराज—
अच्छा हुआ तूने सभी सवालों का जवाब दे दिया नागदन्त, वरना मुझे ये मलाल जीवनभर रहता कि तेरे साथ ही मेरे सभी सवाल खत्म हो गए।
और नागशक्तियों के बिना तू नागदन्त के सामने एकदम बच्चा है। जिसकी गर्दन नागदंत जब चाहे मरोड़ सकता है।
वार करने को आगे बढ़ा नागराज•••
•••लेकिन वार करने में सफल हुआ नागदंत—
धाड़
हा हा हा ! तू मुझे मारेगा नागराज, जबकि अब तेरा मेरा कोई मुकाबला नहीं है, तेरी सभी नागशक्तियां मेरे वश में यहां पड़ी हैं।

इस विष फुंकार का कमाल किसी ऐरे-गैरे नत्थूखैरे को जाकर दिखा नागराज! नागदंत के सामने अब तेरी एक नहीं चल सकती।
नागदंत के सामने बौना सा साबित हो रहा नागराज...
फुस्स
...ज्यादा देर नहीं टिक पाया—
नागदंत का अगला वार तेरी जिंदगी समाप्त कर सकता है नागराज! लेकिन नहीं, एक झटके में तुझे मौत देकर मैं तेरी मौत को आसान नहीं बनाना चाहता मैंने तो तेरे लिए ऐसी मौत सोच रखी है जिसमें तू तिल-तिल करके मरेगा।
ध्यान से देख नागराज, आज जो तुझे मौत देने जा रही हैं वे तेरी ही नागशक्तियां हैं। तेरे ही शरीर में वास करने वाले नाग फांसी के फंदे के रूप में तेरे गले में पड़े हैं और उन्हीं के ढेर पर तू खड़ा हुआ है, और ज्यों-ज्यों एक-एक करके ये ढेर के रूप में तेरे पैरों के नीचे मौजूद नाग वहां से सरकते रहेंगे त्यों-त्यों मौत तेरे नजदीक आती चली जाएगी।
और नागों के ढेर के पूरी तरह हटने के साथ ही फांसी के फंदे से लटककर हो जाएगा...
नागराज का अंत। हो हो हो!
क्रमशः

ONLY RAJ COMICS
तुम को नागराज का रूप मैंने यानी प्रोफेसर नागमणि ने दिया है नागराज... और अगर मैं तुमको बनाने का तरीका जानता हूं, तो तुमको खत्म करने का रास्ता भी जानता हूं।
तुझे मारने के लिए चार तरह के जहरों का तेरे खून में मिलना जरूरी है। मेरे पैदा किए हुए दो जहरीले प्राणी तो तुझे काटकर गल गए। तीसरा तुझे काट रहा है। अब जब चौथा जहर तेरे खून में मिलेगा तो साथ ही साथ, तेरी आत्मा भी परमात्मा से मिल जाएगी।
नागमणि सच कह रहा है। इन तीन जहरों के मिश्रण से मेरे शरीर को लकवा सा मार गया है। ...पर वह चौथ जहरीला प्राणी कौन है और कहां है ?
अनुपम
...वह चौथा प्राणी जब नागराज के सामने आएगा तो नागराज के साथ, आप सबकी आंखें भी फटी रह जाएंगी।
नागराज का एक जहरबुझा विशेषांक जो खोलेगा कई रहस्यों की परतें–
जहर
जापान आर्ट प्रेस, नई दिल्ली-28 द्वारा मुद्रित. ☎ 5708884
amaan.cooldude18